Hindi Murli Quiz 22-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) वरदान और स्लोगन पर आधारित कुछ वाक्य नीचे दिये गए हैं । सभी सही वाक्यों का चयन करें --

A. श्रीमत में मनमत और जनमत की मिलावट करना- यह अमानत में ख्यानत नहीं है।
B. बाप ने बच्चों को सभी खजाने स्व कल्याण और विश्व कल्याण के प्रति दिये हैं ।
C. सदा हार्षित वही रह सकते हैं जो कहीं भी आकर्षित नहीं होते हैं ।
D. स्व को देखो, बाप को देखो औरों को नहीं देखो।
E. बाप से प्राप्त खजानों को व्यर्थ तरफ लगाना वा अकल्याण के कार्य में लगाना-यह अमानत में खयानत है

Q.2) शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं -----

	Choice		Match
A	जिन माताओं को दुनिया वालों ने ठुकराया,	1	आधाकल्प जड़ चित्रों के रूप में पूजे जाते हो।
B	आधा कल्प चैतन्य में पूज्य के रूप में हो,	2	वही श्रीकृष्ण के साथ-साथ झूलेंगे।
C	तुम्हारा असली कार्य है विश्व- परिवर्तन का,	3	उन्हें बाप ने ठाकुर बना दिया।
D	यह मरजीवा जन्म है है ही प्रत्यक्षफल खाने के लिए,	4	किया और प्राप्ति हुई। मेहनत की जरूरत नहीं ।
E	जो अभी सदा अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते,	5	विश्व परिवर्तन वही कर सकते हैं जो पहले स्वयं का परिवर्तन करते हैं।

Q.3) संगमयुग में बीज आपके हाथ में है, जिस बीज द्वारा सेकेण्ड में जो चाहो वह ले सकते हो। सिर्फ संकल्प करने की बात है। शक्ति चाहिए, सुख चाहिए, आनन्द चाहिए, सब आपके लिए जी हाजिर है क्योंकि हजूर ही आपका है। जैसे स्थूल सेवाधारी बुलाने से हाजिर हो जाते हैं वैसे यह सर्व प्राप्तियाँ संकल्प से हाजिर हो जायेंगी।

A. False
B. True

Q.4) संगमयुग को वरदान है कि वरदाता ही आपका है इसलिए सेकेण्ड में अपने संकल्प द्वारा जो चाहो वह ले सकते हो । परन्तु बच्चे लेने के लिए तो तैयार हो जाते है लेकिन छोड़ने वाली चीज भी फिर ले लेते हैं । इसलिए विस्तार में जाने से सार अथवा बीज को छोड़ देते हैं । परिणाम स्वरूप ----
[सभी सही वाक्यों का चयन करें]

A. बच्चे फिर खाली हो जाते हैं और अपने को भरपूर करने की मेहनत करते हैं ।
B. मेहनत की रेखायें ज्यादा नजर आती हैं, प्राप्ति की रेखायें कम नजर आती हैं।
C. प्रत्यक्षफल की बजाय भविष्य फल के उम्मीदवार बन जाते , इसलिए खुशी की झलक सदा नजर नहीं आती।
D. त्याग की महसूसता ज्यादा होती है, भाग्य की महसूसता कम होती है।
E. बीज छूट जाने के कारण प्रत्यक्षफल की प्राप्ति नहीं हो पाती, इसलिए थक जाते हैं।

Q.5) इस संगम पर ही एक कदम अर्थात् एक संकल्प बच्चे करते हैं कि बाबा हम आपके हैं और रिटर्न में बाप हर संकल्प, बोल और कर्म में अनुभव कराते हैं कि बाप आपका है। एक संकल्प का रिटर्न कि सारे संगमयुग की जीवन में बाप आपका ही हो जाता है। इसलिए जब चाहो, जैसे चाहो, जो चाहो, बाप सर्वेन्ट रूप में बाँधे हुए हैं। तो एक का लाख गुणा तो क्या लेकिन अनगिनत बार का रिटर्न मिलता है।

A. False
B. True

Q.6) बापदादा ने पुरूषार्थियों में दो प्रकार के बच्चे देखे। पहले वे जो पुरूषार्थ करते हुए पुरूषार्थ की प्रारब्ध अर्थात् प्राप्ति साथ-साथ अनुभव करते चल रहे हैं । कभी भी थकावट महसूस नहीं करते बल्कि मोहब्बत में मस्त रहते हैं। इसका कारण है - वे सदैव संकल्प से भी सरेन्डर हैं, इसलिए यह अनुभव करते कि हमें बाप-दादा चला रहे हैं। सर्व प्राप्तियों की अनुभूति होने के कारण वह सदा खुशी में, आन्तरिक सुख में, सर्व शक्तियों से उड़ते रहते हैं।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.7) **भविष्यफल के पहले प्रत्यक्षफल खाने के लिए बापदादा ने बच्चों को चेन्ज होने के लिए कहा है। उसके आधार पर बनी यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें --**

	Choice		Match
A	वर्तमान समय सम्पर्क में आने वाले बोलते हैं कि आप लोगों का त्याग बहुत बड़ा है,	1	भाग्य अभी गुप्त है। उसे प्रत्यक्ष करना है।
B	अभी तक भाग्य के वजाए उनको बच्चों का त्याग दिखाई देता है,	2	चल रहे हैं, नहीं। लेकिन चला रहे हैं।
C	मेहनत से निकल स्नेह की, मोहब्बत की गोदी में आ जाओ,	3	ऐसे बच्चों को सर्व सहज प्राप्तियों का अनुभवी बनना है।
D	सदा हजूर को बुद्धि में हाजिर रखो ,	4	लेकिन अब यह बोल कहें कि आप लोगों का भाग्य बहुत बड़ा है।
E	डायरेक्ट बीज से निकले हुए तना स्वरूप बच्चे हो,	5	तो सर्व प्राप्तियाँ चुम्बक के समान आपेही आकार्षित होती आयेंगी।

Q.8) **संगमयुगी ब्राह्मण बच्चे जियेंगे, चलेंगे हर कदम में स्नेह की गोदी में। ----------की निशानी है- सदा खुशी की झलक प्रत्यक्ष रूप में दिखाई देगी। खुशी नहीं तो ----------भी नहीं।**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. ब्राह्मण जीवन
B. बेहद का वैरागी
C. तीव्र पुरुषार्थी
D. सतोप्रधान आत्मा

Q.9) **बापदादा ने पुरूषार्थियों में दो प्रकार के बच्चे देखे। दूसरी प्रकार के वे जो सिर्फ पुरूषार्थ में ही लगे हुए हैं। मेहनत ज्यादा, प्राप्ति का अनुभव कम होता है, इसलिए चलते-चलते थक भी जाते हैं। इसका कारण है उनका संकल्प। वे समझते हैं कि हम स्वयं चल रहे हैं, चलना पड़ता है, सामना करना पड़ता है।**

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.10) **शब्दों को अर्थों के अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice		Match
A	बच्चों की अन्तिम स्टेज	1	भविष्य तो है ही लेकिन भविष्य से भी वर्तमान श्रेष्ठ है।
B	कई समझते हैं कि बाप- दादा का वायदा 'एक दो और लाख लो',भविष्य के लिए है,	2	विकर्माजीत स्टेज, विकल्प या व्यर्थ संकल्प-मुक्त स्टेज।
C	सर्व श्रेष्ठ जन्म, सर्व श्रेष्ठ टाइटिल, सर्व प्राप्तियों का अनुभव संगमयुग के हैं,	3	इस संगमयुग को वरदान है कि स्वयं वरदाता ही आपका है।
D	संगमयुग का महत्व कभी नही भूलना,	4	लेकिन नहीं। यह वायदा संगमयुग का ही है।
E	हजूर आपका है तो सर्वप्राप्तियाँ हाजिर हैं,	5	बीज आपका है तो यह सब फल आपके हैं।